ROBERT GAGNÉ

HIERARCHY OF LEARNING (8 LEVELS)

Robert Gagné proposed that learning occurs in a hierarchical order. Each level must be learned well before moving to the next.

KEY IDEA

Learning is a progressive process. Complex learning depends on mastery of simpler learning.

THE 8 LEVELS OF LEARNING

LEVEL	DESCRIPTION	EXAMPLE
1 SIGNAL LEARNING	The learner responds to specific cues or signals in the environment.	• Stopping at a red traffic light when you see it.
2 STIMULUS–RESPONSE LEARNING	The learner associates a stimulus with a specific response.	• Pressing a doorbell (stimulus) and someone opens the door (response).
3 CHAIN LEARNING	The learner links a series of responses in a specific order.	• Following the steps to make a cup of tea.
4 VERBAL ASSOCIATION LEARNING	The learner associates words or symbols with their meanings.	• Learning that "B" stands for Ball.
5 MULTIPLE DISCRIMINATION LEARNING	The learner responds differently to different stimuli.	• Knowing the difference between a cat, dog, and cow.
6 CONCEPT LEARNING	The learner grasps the common features of a group of stimuli.	• Understanding the concept of "Triangle" from different types of triangles.
7 PRINCIPLE LEARNING	The learner understands relationships between concepts and can apply rules.	• Learning the formula for area of a rectangle and applying it to different rectangles.
8 PROBLEM SOLVING LEARNING	The learner applies knowledge, rules, and principles to find solutions to new problems.	• Using mathematical concepts to solve a real-life word problem.

IMPORTANT POINTS

- Learning builds from simple to complex.
- Each level is a foundation for the next level.
- Mastery of lower levels ensures success in higher levels.

APPLICATION IN EDUCATION

Teachers should design instruction that helps learners progress through these levels step by step for effective and lasting learning.

"WELL-PLANNED LEARNING TODAY LEADS TO SUCCESS TOMORROW."

रॉबर्ट गैग्ने:
अधिगम का पदानुक्रम (8 स्तर)

रॉबर्ट गैग्ने ने यह प्रस्ताव रखा कि सीखना एक पदानुक्रमित क्रम में होता है। अगले स्तर पर जाने से पहले प्रत्येक स्तर को अच्छी तरह से सीख लेना आवश्यक है।

मुख्य विचार

सीखना एक प्रगतिशील प्रक्रिया है। जटिल विद्या का ज्ञान सरल विद्या के ज्ञान में निपुणता पर निर्भर करता है।

सीखने के 8 स्तर

स्तर	स्तर का नाम	विवरण	उदाहरण
1	संकेत अधिगम	शिक्षार्थी वातावरण में मौजूद विशिष्ट संकेतों या इशारों पर प्रतिक्रिया करता है।	• लाल बत्ती दिखने पर रुक जाना।
2	उद्दीपन-प्रतिक्रिया अधिगम	शिक्षार्थी किसी उद्दीपन को एक निशिष्ट प्रतिक्रिया से जोड़ता है।	• दरवाजे की घंटी बजाना (उद्दीपन) और किसी का दरवाजा खोलना (प्रतिक्रिया)।
3	श्रृंखला अधिगम	शिक्षार्थी विशिष्ट क्रम में प्रतिक्रियाओं की एक श्रृंखला को जोड़ता है।	• चाय बनाने की विधि के चरणों का पालन करें।
4	मौखिक साहचर्य अधिगम	शिक्षार्थी शब्दों या प्रतीकों को उनके अर्थों से जोड़ता है।	• यह जानना कि "B" का मतलब बॉल होता है।
5	बहुविभेदन अधिगम	शिक्षार्थी विभिन्न उद्दीपनों पर अलग-अलग प्रतिक्रिया देता है।	• बिल्ली, कुत्ते और गाय के बीच अंतर जानना।
6	अवधारणा अधिगम	शिक्षार्थी उद्दीपनों के एक समूह की सामान्य विशेषताओं को समझ लेता है।	• त्रिभुजों के विभिन्न प्रकारों से "त्रिभुज" की अवधारणा को समझना।
7	सिद्धांत अधिगम	शिक्षार्थी अवधारणाओं के बीच संबंधों को समझता है और नियमों को लागू कर सकता है।	• आयत के क्षेत्रफल का सूत्र सीखना और उसे विभिन्न आयतों पर लागू करना।
8	समस्या समाधान अधिगम	शिक्षार्थी नए समस्याओं के समाधान खोजने के लिए ज्ञान, नियमों और सिद्धांतों को लागू करता है।	• गणितीय अवधारणाओं का उपयोग करके वास्तविक जीवन की एक शब्द समस्या को हल करना।

महत्वपूर्ण बिंदु

- ☆ सीखने की प्रक्रिया सरल से जटिल की ओर बढ़ती है।
- ☆ प्रत्येक स्तर अगले स्तर की नींव है।
- ☆ निचले स्तरों में महारत हासिल करने से उच्च स्तरों में सफलता सुनिश्चित होती है।

शिक्षा में अनुप्रयोग

शिक्षकों को ऐसी शिक्षण पद्धति तैयार करनी चाहिए जो शिक्षार्थियों को प्रभावी और स्थायी अधिगम के लिए इन स्तरों से चरण दर चरण आगे बढ़ने में मदद करे।

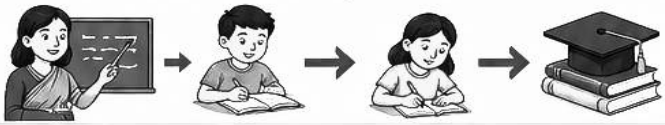

दैनिक जीवन में उदाहरण

सड़क पार करते समय संकेत (लाल, पीला, हरा) को देखकर हम सीखते हैं।

खेल खेलकर और अभ्यास करके हम कौशल सीखते हैं।

माता-पिता और शिक्षकों के व्यवहार को देखकर हम सीखते हैं।

टीवी, फिल्म और वीडियो देखकर हम बहुत कुछ सीखते हैं।

ऑनलाइन ट्यूटोरियल देखकर जटिल विषयों को समझते और सीखते हैं।

"आज की सुनियोजित शिक्षा कल की सफलता की ओर ले जाती है."